Date
06/06/2020
Sat

E-content detail

Name - Sri Gangadhar
Designation - Assistant Professor (math)
mobile no - 8416915365
E-mail Id - g.patelmaths@gmail.com
Institution name - T.N.A.T.T.C Harigaon
Course name - B.Ed (2nd year 2018-20)
Subject - mathematics
Title name - "Teaching of Analysis method of mathematics"

Scanned with CamScanner

गणित शिक्षण की विश्लेषण विधि :—
यह विधि विश्लेषण प्रक्रिया पर आधारित होती है। गणित के समस्याओं के विश्लेषण में हम इस विधि का उपयोग करते हैं। यह विधि रेखा गणित में अधिक उपयोगी सिद्ध होती है। "इस विधि की सहायता से किसी भी समस्या के कठिन भाग का विश्लेषण करके यह ज्ञात किया जाता है कि इस समस्या का हल किस प्रकार प्राप्त किया जाये।"

"समस्याओं के विभिन्न भागों का विच्छेदन करने को ही विश्लेषण कहते हैं।"

इस विधि में हम "अज्ञात से ज्ञात की ओर अथवा निष्कर्ष से ज्ञात तथ्यों की ओर, चलते हुए शिक्षण करते हैं।

Scanned with CamScanner

इस विधि में जो ज्ञात करना होता है या सिद्ध करना होता है उससे आरम्भ करते है कि इसे ज्ञात करने के लिए या सिद्ध करने के लिए हमें पहले क्या ज्ञात करना चाहिए ? इस प्रकार ज्ञात करते-करते जो कुछ दिया होता है, उस तक पहुँच जाते है।

जटिल समस्याओं को हल करने के लिए इस विधि का ही प्रयोग करते है क्योंकि इसके द्वारा इस समस्या को छोटे-छोटे भागों में बाँट लिया जाता है और जिसके कारण उसका हल ढूढना आसान या सरल हो जाता है।

मुख्यतया इस विधि का प्रयोग निम्न लिखित परिस्थितियों में किया जाता है-

(i) जब किसी उदाहरण को हल करना हो।

(ii) जब रेखा गणित में किसी रचना का कार्य करना हो।

(iii) जब अंकगणित में किसी नवीन समस्या को हल करना हो।

NOTe :- इस विधि में प्रत्येक पद का अपना महत्व एवं आधार होता है इस लिए किसी समस्या का हल करने से पहले उचित ढंग से विश्लेषण करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

विश्लेषण विधि के गुण :-

(i) यह विधि मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित है।

(ii) इस विधि में बालक स्वयं अपनी समस्याओं के समाधान के लिए हल ढूंढ सकता है।

(iii) किसी प्रमेय की उपपत्ति (Proof) तथा निर्माण की रचना इस विधि द्वारा ही समझी जा सकती है।

(iv) इस विधि द्वारा छात्रों में अन्वेषण करने की क्षमता और आत्म-विश्वास में बढ़ोत्तरी होती है।

(v) इस विधि से छात्रों में तर्क-शक्ति, विचार शक्ति तथा विश्लेषण करने की क्षमता का विकास होता है।

(vi) इस विधि द्वारा प्राप्त ज्ञान अधिक स्थाई होता है तथा छात्र नवीन ज्ञान प्राप्त करने के लिए उत्सुक रहता है।

Scanned with CamScanner

विश्लेषण विधि के दोष :-

शिक्षण शास्त्र में इस विधि का बहुत महत्व है लेकिन इस विधि के निम्नलिखित दोष भी है —

(i) यह विधि छोटी कक्षाओं के लिए उपयुक्त है क्योंकि उस समय इनकी तर्क शक्ति तथा विश्लेषण करने की क्षमता अधिक विकसित नहीं होती है।

(ii) इस विधि द्वारा समस्या को हल करने पर पाठ्यक्रम को निर्धारित समय में पूरा नहीं किया जा सकता है।

(iii) इस विधि द्वारा समस्या को हल करने में को अधिक समय लगता है, क्योंकि इसकी तर्क प्रक्रिया लम्बी होती है।

(iv) विश्लेषण विधि का प्रयोग तभी सम्भव है जब हमें ज्ञात तथ्यों तथा अज्ञात निष्कर्षों की जानकारी है।

(v) प्रत्येक अध्यापक इस विधि का प्रयोग करने में सफल नहीं हो सकता है।

Scanned with CamScanner